ॐ जय शिव ओंकारा | By Mukesh Bagda |

ॐ जय शिव ओंकारा
भज हर शिव ओंकारा।
ब्रह्मा विष्णु सदा शिव,
अर्धांगी धारा॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

एकानन चतुरानन पंचानन राजे
हंसासन गरुड़ासन वृषवाहन साजे।
ॐ जय शिव ओंकारा॥

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज ते धारा
तीनों रूप निरखता त्रिभुवन जन तारा।
ॐ जय शिव ओंकारा॥

अक्षयमाला वनमाला मुण्डमाला धारी
चंदन मृगमद सोहे भालें शशि धारी।
ॐ जय शिव ओंकारा॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे
संकादिक गरुड़ादिक भूतादिक संगें।
ॐ जय शिव ओंकारा॥

कर में श्रेष्ठ कमंडल चक्र त्रिशूल धरता
जगकर्ता जगपालक जग संकट हरता।
ॐ जय शिव ओंकारा॥

ब्रह्मा विष्णु सदा शिव जानत अविवेका
प्रणवाक्षर में शक्ति तीनों की देखा।
ॐ जय शिव ओंकारा॥

त्रिगुण स्वरूपिणी जननी जय जय मां
तुम्हे भजें नर-नव योगी, मुनि शिवा।
ॐ जय शिव ओंकारा॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a5%90-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%93%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/